8/25/2020 District Advisory



Gramin Krishi Mausam Sewa

India Meteorological Department Govind Ballabh Pant University of Agriculture & Technology Udham Singh Nagar,Pantnagar, Uttarakhand



Agromet Advisory Bulletin

Date: 25-08-2020

Weather Forecast of NAINITAL(Uttarakhand) Issued On: 2020-08-25(Valid Till 08:30 IST of the next 5 days)

Date (y-m-d)	Rainfall (mm)	Tmax (°C)	Tmin (°C)	RH I (%)	RH II (%)	Wind Speed (kmph)	Wind Direction (Degree)	cloud cover (Octa)
2020-08-26	10.0	22.0	15.0	85	55	4.0	120	4
2020-08-27	20.0	22.0	15.0	90	55	4.0	200	7
2020-08-28	35.0	21.0	15.0	95	65	4.0	120	7
2020-08-29	35.0	21.0	15.0	95	65	6.0	140	7
2020-08-30	20.0	20.0	15.0	90	60	6.0	140	6

Weather Summary/Alert:

Light to moderate rain may likely occur in the coming five days. Maximum & minimum temperatures may range from 20.0 to 22.0 deg C & 15.0 deg C respectively.

आगामी पांच दिनों में हल्की से मध्यम वर्षा होने की सम्भावना है। अधिकतम एवम् न्यूनतम तापमान क्रमश: 20.0 से 22.0 व 15.0 डिग्री सेल्सियस रहेगा|

General Advisory:

Farmers are advised to download the "DAMINI App" to get the lightning activity and "Meghdoot App" to get past week weather, weather forecast, and agromet advisory. DAMINI and Meghdoot App can be downloaded from the google play store (Android users) and App Center (IOS users).

किसान भाई आकाशीय बिजली की गतिविधि प्राप्त करने के लिए "दामिनी ऐप" और पिछले सप्ताह के मौसम, मौसम पूर्वानुमान और मौसम आधारित कृषि सलाह प्राप्त करने के लिए "मेघदूत ऐप" डाउनलोड करें। दामिनी ऐप और मेघदूत ऐप को गूगल प्ले स्टोर (एंड्रॉइड उपयोगकर्ताओं) और ऐप सेंटर (आईओएस उपयोगकर्ताओं) से डाउनलोड किया जा सकता है।

SMS Advisory:

Heavy to very heavy rainfall with intense spells and lightning likely to occur at isolated places from 27-29 Aug. Drainage should be maintained from the basins of fruit plant.

27 से 29 अगस्त को कही-कही भारी से बहुत भारी वर्षा और आकाशीय बिजली गिरने की संभावना है। अत्यधिक वर्षा के कारण फल पौधों के थालों में एकत्रित पानी के निकास की व्यवस्था सुनिश्चित करें।

Crop Specific Advisory:

Crop (Varieties) Crop Specific Advisory

8/25/2020 District Advisory

Crop(Varieties)	Crop Specific Advisory
RICE	Now a day, paddy is in the stage of emergence/ formation of earhead and this stage is very susceptible to water stress leads to influence the size, number of grains, and weight of seeds of earhead. It is necessary to have sufficient moisture in the field at this stage. The weather will be favorable in the coming days. Therefore, in view of the possibility of light to moderate rainfall in the coming days, do not irrigate the field.
	इस समय धान में बाली बनने या बाली निकलने की अवस्था में है और धान की यह अवस्था पानी की कमी के प्रति अति संवेदनशील है तथा इससे बालियों के आकार एवं दानों की संख्या एवं बीज भार में कमी आती है। इस अवस्था में खेत में पर्याप्त नमी होना आवश्यक है। आगामी दिनो मे मौसम इसके अनुकूल रहेगा। अतः आगामी दिनो में हल्की से मध्यम वर्षा की सम्भावना को देखते हुए खेत मे सिंचाई न करें।
BLACK GRAM	Keep monitoring of crops and spraying recommended fungicidal chemicals to control leaf spot disease on the leaves.
	फसलो की निगरानी करते रहें तथा पत्तियों पर पर्ण धब्बा रोग आने पर नियंत्रण हेतु संस्तुत फफूँदनाशक रसायन का छिड़काव मौसम को ध्यान में रखकर करें।
RADISH	In unirrigated mid-hills, radish varieties like Meenu early, Japanese white, Pusa Himani, and early varieties of Saljam like Parpiltop, white glow should be sown at the earliest.
	असिंचित मध्यम ऊंचे क्षेत्रों में मूली की प्रजाति जैसे मीनू अर्ली, जपानी वाईट, पूसा हिमानी एवं शलजम की अगेती प्रजाति परपिलटाप, वाईट ग्लो, की तुरंत बुवाई करें।

Horticulture Specific Advisory:

Horticulture (Varieties)	Horticulture Specific Advisory
CADDACE	Transplanting/sowing of cabbage, broccoli, and turnip should be done.
CABBAGE	बंदगोभी, ब्रोकली एवं शलजम की अगेती प्रजातियो का प्रतिरोपण करें।

Livestock Specific Advisory:

Livestock(Varieties)	Livestock Specific Advisory
	Vaccinate the animals against FMD, if not already done so. Animals afflicted by FMD should be kept in a separate enclosure so that they do not infect the healthy ones. If FMD is prevalent in the area, do not let your animals come in contact with the infected ones.
	खुरपका एवं मुँहपका रोग से बचाव हेतु, यिद पशुओं में टीकाकरण नहीं करवाया है तो पिशुचिकित्सक की सलाह से टीकाकरण करवाएं। खुरपका एवं मुँहपका रोग से पीड़ित जानवरों को एक अलग बाड़े में रखा जाना चाहिए ताकि वे स्वस्थ पशुओं को संक्रमित नहीं करें। यिद क्षेत्र में एफएमडी प्रचलित है, तो अपने जानवरों को संक्रमित पशुओं के संपर्क में न आने दें।